



## DRDO से संबंधित प्रमुख मुद्दे क्या हैं?

- **परियोजना की समय-सीमा और लागत में वृद्धि:** DRDO परियोजनाएँ अनुमानित समय-सीमा और बजट से काफी अधिक अंतर के लिये प्रसिद्ध हैं।
  - इससे महत्त्वपूर्ण रक्षा क्षमताओं में देरी होती है और दक्षता और संसाधन आवंटन के बारे में चिंताएँ बढ़ जाती हैं।
  - इसके उदाहरणों में **हल्का लड़ाकू विमान तेजस** शामिल है, जिससे **वकिसति करने में 30 साल से अधिक का समय लगा**।
- **सशस्त्र बलों के साथ तालमेल का अभाव:** DRDO की आंतरिक नरिणय लेने की प्रक्रियाएँ नवाचार और अनुकूलन में बाधा डालती हैं।
  - इसके अतिरिक्त आवश्यकताओं को परभाषित करने और फीडबैक को शामिल करने के मामले में **सशस्त्र बलों के साथ सहज सहयोग की कमी के कारण प्रौद्योगिकियों पूरी तरह से परचालन आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर पाती हैं**।
- **प्रौद्योगिकी हस्तांतरण तथा नज्जी क्षेत्र एकीकरण:** बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिये DRDO द्वारा नज्जी उद्योगों तक वकिसति प्रौद्योगिकियों का कुशल हस्तांतरण अभी भी एक चुनौतीपूर्ण कार्य बना हुआ है।
  - इससे **स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकी के शीघ्र नयोजन तथा व्यावसायीकरण में बाधा** आती है जिससे वदिशी आयात पर नरिभरता बढ़ जाती है।
- **पारदर्शिता तथा जन की धारणा:** DRDO की गतिविधियों तथा उपलब्धियों के बारे में **सीमति सार्वजनिक जागरूकता** एवं पारदर्शिता नकारात्मक धारणा व आलोचना को जनम देती है।

## आगे की राह

- **सुदृढ़ परियोजना प्रबंधन:** DRDO को **स्पष्ट लक्ष्य, संसाधन आवंटन एवं जवाबदेही उपायों** सहित सख्त परियोजना प्रबंधन पद्धतियों को लागू करना चाहिये।
- **सशस्त्र बलों के साथ बेहतर सहयोग:** विकास के चरणों में सशस्त्र बलों के कर्मियों को शामिल करते हुए **संचार और फीडबैक के आदान-प्रदान के लिये समर्पित चैनल** स्थापित करना।
- **सुव्यवस्थित प्रौद्योगिकी हस्तांतरण:** नज्जी कंपनियों को **प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिये स्पष्ट प्रोटोकॉल** के साथ प्रोत्साहन देकर **सार्वजनिक-नज्जी-भागीदारी** को बढ़ावा देना।
- **प्रयोग व मुक्त नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देना:** DRDO को **विविध विशेषज्ञता का लाभ उठाने तथा अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों तक पहुँच सुनिश्चित करने** के लिये विश्वविद्यालयों, स्टार्टअप एवं अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ सहयोग करना चाहिये।
- **सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाना:** DRDO को मीडिया के साथ सक्रिय रूप से जुड़ना चाहिये, सार्वजनिक आउटरीच कार्यक्रम आयोजित करने चाहिये तथा **राष्ट्रीय सुरक्षा** में DRDO के योगदान के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिये सफलता की कहानियाँ साझा करनी चाहिये।

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

?????????:

प्रश्न. कभी-कभी समाचारों में देखा जाने वाला "टर्मनिल हाई एल्टीट्यूड एरिया डफिंस (THAAD)" क्या है? (2018)

- (a) एक इज़रायली रडार प्रणाली
- (b) भारत का स्वदेशी मसिाइल रोधी कार्यक्रम
- (c) एक अमेरिकी मसिाइल रोधी प्रणाली
- (d) जापान और दक्षिण कोरिया के मध्य एक रक्षा सहयोग

उत्तर: (c)